ISSN: 2583-8849
साहित्य रत्न ई-पत्रिका अगस्त2023 वर्ष1 अंक4

जग में सब कुछ हो गई,

रे फकीर !मन किसलिए, फिरता हाथ पसार ।
बिना लिए देता नहीं , धेला भी संसार ।।-1

आंगन में सीढ़ी लगी , चढ़ा न धरकर पांव ।
जीवन धन लुटवा दिया, राग-द्वेष के गांव ।।-2

नित्य निरंतर चाहिए , बढ़ें प्रगति की ओर ।
रुकावटें सौ भांति की, फिर भी संभव भोर ।।-3

आजादी की चाह में, लाखों हुए शहीद ।
तब निर्भय उल्लासमय, हुईं दिवाली-ईद ।।-4

निंदा-स्तुतियों से परे, जीवन जीते जाग ।
वे बड़भागी लोग हैं, जिन्हें न ग्रसता राग ।।-5

दुरभि संधियां हो गईं, दुष्टजनों के बीच ।
सिर्फ दिखावे के लिए, कीचड़ रहे उलीच ।।-6

तम रावण जैसा रथी, निरथ राम- सा दीप ।
किंतु खड़ा ललकारता, आ तो दुष्ट समीप ।।-7

मुंह देखा व्यवहार ही, चाह रहा संसार ।
इसीलिए मुश्किल हुए, खरे-खरे उद्गार ।।-8

गहन साधना जब करे, वर्षों रचनाकार ।
तब कहीं रुचिर पुस्तकें, ले पाती आकार ।।-9

सागर या पर्वत लिखें, या फिर सकल जहान ।
कोरा कागज़, बालमन, दोनों एक समान ।।-10

जग में सबकुछ हो गई, दौलत माई बाप ।
इसके ही कारण यहां, दुनियाभर के पाप ।।-11

मन माया का यार है, जिभ्या रटती राम ।
इस बेढंगी चाल के , बेढंगे परिणाम ।।-12

रामहर्ष यादव "हर्ष"
पिता: स्व. रामनारायण यादव
माता: श्रीमती शकुंतला देवी
जन्म : 25-10-1971

प्रकाशित कृतियां:
1- "**उद्गार**" काव्य संग्रह- 2008
2- "**दोहे मेरी पसंद के**" साझा दोहा संग्रह- 2019
3- "**नई सदी के दोहे**" साझा दोहा संग्रह- 2021

सम्मान :
* हेल्प डेस्क इंडिया फाउन्डेशन द्वारा " विशिष्ट काव्य सम्मान" - 2022
* वामन सेवा संस्थान, बाराबंकी द्वारा " कविवर रहीम सम्मान"- 2015
* अधिवक्ता साहित्यकार प्रकोष्ठ, लखनऊ द्वारा " कविवर बिहारी सम्मान"- 2006
* बाल निकेतन शिक्षा समिति, लखनऊ द्वारा "श्री रामस्वरूप यादव सम्मान"- 2005
* उर्मिला इंटर कॉलेज, लखनऊ द्वारा "राष्ट्रीय काव्य गौरव सम्मान"- 2005
* एस. आर. इंटर कॉलेज, लखनऊ द्वारा " काव्य गौरव सम्मान"- 2005
* अमेरिकन बायोग्राफिकल में नामित - 2002
* आदर्श कारागार, लखनऊ द्वारा " श्रेष्ठ काव्य पाठ सम्मान"- 2002

निवास: ग्राम : मुनीमपुर बरतरा, पोस्ट : कुर्सी, जिला: बाराबंकी, उ.प्र.
मो.नंबर: 7398695220
ई-मेल: ramharsh1971@gmail.com